दैनिक भास्कर

जींद भास्कर 03-09-2025

वन डे, वन यूनिवर्सिटी कैंपेन के तहत सीआरएसयू में विशेष कार्यक्रम

पुलिस-लॉ स्टूडेंट्स ने नए कानून, साइबर क्राइम, एनडीपीएस एक्ट पर की चर्चा

भास्कर न्यूज | जींद

सीआरएसयू में पुलिस-लॉ स्टूडेंट्स ने नए कानून, साइबर क्राइम, एनडीपीएस एक्ट पर चर्चा की। एसपी कुलदीप सिंह के मार्गदर्शन एवं कम्युनिटी पुलिसिंग की पहल के अंतर्गत वन डे, वन यूनिवर्सिटी कैंपेन के तहत सीआरएसयू में विशेष कार्यक्रम में लॉ विभाग के फाइनल ईयर स्टूडेंट्स व पुलिस अधिकारियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में एडवोकेट आनंद ढुल ने तीन नए कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम पर प्रकाश डालकर जागरूक किया। प्रत्येक कानून के अलग-अलग पहलू की व्याख्या करके बताया कि परिवर्तन न्याय प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाएंगे।

पीएसआई संजय कुमार ने साइबर क्राइम, एनडीपीएस एक्ट के बढ़ते प्रभावों के बारे में जागरूक किया। साइबर अपराधियों द्वारा प्रतिदिन नए-नए तरीके अपनाए जा रहे हैं और इसका सबसे बड़ा बचाव यही है कि हम अपनी निजी जानकारियां सुरक्षित रखें, जागरूक रहें। एनडीपीएस एक्ट पर कहा कि नशा, नशा तस्करी समाज को शारीरिक, मानसिक, आर्थिक रूप से खोखला कर रही है। ऐसे में युवाओं को सतर्क रहने की आवश्यकता है। लॉ विभाग के फाइनल ईयर छात्रों ने भी कार्यक्रम में अपने-अपने विचार रखे। पुलिस अधिकारियों के साथ प्रश्नोत्तर के जरिए कानूनी विषयों पर गहन चर्चा की। इस संवाद से छात्रों को कानून की व्यावहारिक समझ मिली। पुलिस को युवाओं के दृष्टिकोण से समाज की वास्तविकताओं को समझने का अवसर मिला। पुलिस विभाग के सेवानिवृत कर्मियों ने भी अपने विचार साझा किए। यह पहल न केवल छात्रों के लिए एक शैक्षणिक अनुभव रही, बल्कि पुलिस व समाज के बीच आपसी सहयोग को भी मजबूत करने वाली साबित होगी।

जींद. कार्यक्रम में हिस्सा लेते पुलिस कर्मी व विद्यार्थी।

दैनिक भास्कर
जींद भास्कर 03-09-2025

सीआरएसयू के इतिहास विभाग ने मनाया उद्यमिता दिवस

जींद. सीआरएसयु के इतिहास विभाग द्वारा आयोजित उद्यमिता दिवस कार्यक्रम में भाग लेते हुए।

जींद| सीआरएसयू के इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग ने मंगलवार को उद्यमिता दिवस का आयोजन किया। इस अवसर पर छात्रों ने नवाचार, रचनात्मकता और नेतृत्व कौशल का परिचय दिया। कार्यक्रम में विचार प्रस्तुतियां, परियोजना प्रदर्शन और संवाद सत्र शामिल रहे। शिक्षकों ने उद्यमिता के महत्व पर प्रकाश डाला। मुख्यवक्ता प्रो जसबीर सिंह ने बताया कि उद्यमिता केवल वाणिज्य एवं प्रबंध तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक सोच और दृष्टिकोण है, जो इतिहास, संस्कृति और विरासत जैसे क्षेत्रों में भी नए अवसर प्रदान कर सकता है। विभागाध्यक्ष प्रो अजमेर सिंह ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन छात्रों में आत्मनिर्भरता और नवाचार की भावना को बढ़ावा देते हैं। इस अवसर पर डॉ. जसमेर सिंह, डॉ. जगपाल मान, डॉ. शालिनी, डॉ. मंजू, डॉ. सुरेश, महावीर, संदीप, सुधीर आदि मौजूद रहे।

पंजाब केसरी

Date – 03/09/2025

नए कानून, साइबर क्राइम व एन.डी.पी.एस. एक्ट पर गहन चर्चा

जींद पुलिस और लॉ स्टूडैंट्स का संयुक्त प्रयास

कार्यक्रम में मौजूद लॉ विभाग के फाइनल ईयर के छात्र और पुलिस विभाग के अधिकारी।

जींद, 2 सितम्बर (संजीव) : जींद पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह के कुशल मार्गदर्शन एवं कम्युनिटी पुलिसिंग की पहल के अंतर्गत 'वन-डे, वन यूनिवर्सिटी कैंपेन' के तहत चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय (सी.आर.एस.यू.) में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें लॉ विभाग के फाइनल ईयर छात्रों और पुलिस अधिकारियों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम में एडवोकेट आनंद ढुल ने तीनों नए कानूनों–भारतीय न्याय संहिता (बी.एन.एस.), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बी.एन.एस.एस.) एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने प्रत्येक कानून के अलग-अलग पहलुओं की गहराई से व्याख्या की और छात्रों को बताया कि यह परिवर्तन न्याय प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाएंगे। पी.एस.आई. संजय कुमार ने छात्रों को साइबर क्राइम और एन.डी.पी.एस. एक्ट के बढ़ते प्रभावों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधियों द्वारा प्रतिदिन नए-नए तरीके अपनाए जा रहे हैं और इसका सबसे बड़ा बचाव यही है कि हम अपनी निजी जानकारियां सुरक्षित रखें और जागरूक रहें।

एन.डी.पी.एस. एक्ट पर बोलते हुए उन्होंने बताया कि नशा और नशा तस्करी समाज को शारीरिक, मानसिक और आर्थिक रूप से खोखला कर रही है, जिससे युवाओं को सतर्क रहने की आवश्यकता है।

लॉ विभाग के फाइनल ईयर छात्रों ने भी कार्यक्रम में अपने-अपने विचार रखे और पुलिस अधिकारियों के साथ प्रश्नोत्तर के जरिए कानूनी विषयों पर गहन चर्चा की।

इस संवाद से छात्रों को कानून की व्यवहारिक समझ मिली और पुलिस को युवाओं के दृष्टिकोण से समाज की वास्तविकताओं को समझने का अवसर मिला।

इस अवसर पर पुलिस विभाग के सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने भी अपने विचार सांझा किए। यह पहल न केवल छात्रों के लिए एक शैक्षणिक अनुभव रही, बल्कि पुलिस और समाज के बीच आपसी विश्वास और सहयोग को भी मजबूत करने वाली साबित होगी।

अमर उजाला
जोश! सच का!

Date – 03/09/2025

उद्यमिता वाणिज्य तक सीमित नहीं : डॉ. जसबीर

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग की ओर से उद्यमिता दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्रों ने नवाचार, रचनात्मकता और नेतृत्व कौशल का परिचय दिया। मुख्य वक्ता के तौर पर प्रोफेसर डॉ. जसबीर सिंह ने कहा कि उद्यमिता केवल वाणिज्य एवं प्रबंध तक सीमित नहीं है बल्कि यह एक सोच और दृष्टिकोण है जो इतिहास, संस्कृति और विरासत जैसे क्षेत्रों में भी नए अवसर प्रदान कर सकता है। संवाद

अमर उजाला
जोश! सच का!

Date – 03/09/2025

सीआरएसयू में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद पुलिस और छात्र। स्रोत : पुलिस

छात्रों को नए कानूनों के बारे में दी जानकारी

संवाद न्यूज एजेंसी

वन डे-वन यूनिवर्सिटी कैंपेन के तहत विशेष कार्यक्रम आयोजित

जींद। जिला पुलिस की तरफ से वन डे, वन यूनिवर्सिटी कैंपेन के तहत मंगलवार को चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें लॉ विभाग के फाइनल ईयर छात्रों और पुलिस अधिकारियों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम में एडवोकेट आनंद ढुल ने तीनों नए कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम के बारे में छात्रों को जानकारी दी।

उन्होंने प्रत्येक कानून के अलग-अलग पहलुओं की गहराई से व्याख्या की। लॉ विभाग के फाइनल ईयर छात्रों ने भी कार्यक्रम में अपने-अपने विचार रखे। इस दौरान सेवानिवृत पुलिस कर्मचारियों ने भी अपने विचार साझा किए।

दैनिक जागरण

Date – 03/09/2025

सीआरएसयू जींद में मनाया उद्यमिता दिवस

जींद(जुलाना)(हप्र) : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय(सीआरएसयू) जींद के इतिहास,संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग द्वारा मंगलवार को उद्यमिता दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्रों ने नवाचार, रचनात्मकता और नेतृत्व कौशल का परिचय दिया। कार्यक्रम में विचार प्रस्तुतिया, परियोजना प्रदर्शन तथा संवाद सत्र शामिल रहे। शिक्षकों ने उद्यमिता के महत्व पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता के तौर पर बोलते हुए प्रोफेसर जसबीर सिंह ने बताया कि उद्यमिता केवल वाणिज्य एवं प्रबंध तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक सोच और दृष्टिकोण है, जो इतिहास, संस्कृति और विरासत जैसे क्षेत्रों में भी नए अवसर प्रदान कर सकता है। छात्रों ने इतिहास और आधुनिक उद्यमिता को जोड़ते हुए नवाचारी परियोजनाएं प्रस्तुत की, जिन्हें उपस्थित सभी फैकल्टी मेंबर्स से सराहना मिली। विभागाध्यक्ष डॉ अजमेर सिंह ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन छात्रों में आत्मनिर्भरता और नवाचार की भावना को बढ़ावा देते हैं।